>

Title: Regarding growing incidents of violence in Central University of Allahabad, Uttar Pradesh.

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक अति महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया।

मैं आपके माध्यम से सरकार ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय मिनी आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय कहलाया जाता था जहां से न केवल आईसीएस बल्कि अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारी निकले हुये हैं। सदन से इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिये जाने का बिल पास हो चुका है लेकिन तब से वहां शैक्षणिक व्यवस्था बहुत दयनीय हो गई है। वहां के छात्र फीस को लेकर आन्दोलन कर रहे हैं क्योंकि कहीं फीस कम है और किसी डिग्री कालेजों में फीस ज्यादा है। छात्र धरना प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उन पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किया गया है। छात्र प्रोक्टैक्टर के पास गये लेकिन एक व्यक्ति ने जो वहीं का कर्मचारी है, ने रिवाल्वर निकाल लिया जिसे टी.वी. पर दिखाया गया है। यह कल की घटना है। माननीय फातमी साहब बैठे हुये हैं। मैं उन से गुजारिश करूंगा कि यहां से एक संसदीय दल भेजा जाये जो इस बात की जांच करे ताकि वहां शैक्षणिक व्यवस्था ठीक ढंग से चल सके और छात्र पठन-पाठन के कार्यक्रम में भाग लेते हुये आगे बढ़ सकें।